पतंजलि योगपीठ हरिद्वार में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में माननीय राज्यपाल महोदय का संबोधन

(04 अगस्त 2022)

जय हिन्द!

आज के इस भव्य और दिव्य समारोह में उपस्थित मुख्यमन्त्री जी, मन्त्री गण, योग ऋषि स्वामी रामदेव जी, आचार्य बालकृष्ण जी एवं विभिन्न क्षेत्रों में अपना योगदान दे रहे महानुभावों!

आज का दिन बहुत ही महत्वपूर्ण है, क्योंकि हम देश की आजादी के अमृत महोत्सव के साथ–साथ आचार्य बालकृष्ण जी के 50वें जन्मदिन को भी मना रहे हैं।

मैं आचार्य जी को 50वें जन्म दिन पर हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देता हूँ। इस अवसर पर आपके स्वस्थ जीवन और दीर्घायु की कामना करता हूँ।

मुझे ज्ञात है कि आप अपने जन्म दिन को प्रतिवर्ष 'जड़ी बूटी दिवस' के रूप मे मनाते हैं, जो प्रकृति के संरक्षण के साथ ही हमारी समृद्धि के लिए भी अनोखी पहल है। आप ऋषियों की उस परंपरा को आगे ले जा रहे हैं जिन्होने भारत को ज्ञान, विज्ञान, संस्कृति, अनुसंधान, अध्यात्म और तप के बल पर विश्वगुरू के गौरव तक पहुँचाया है।

योग और आयुर्वेद की महान परंपरा को आधुनिक रूप दिया है। 'जड़ी बूटी दिवस' लोगों के जीवन में सुख, शांति और समृद्धि की मूल अवधारणा को पुष्ट करने वाली है।

मुझे अत्यन्त प्रसन्नता है कि आपके 50वें जन्मदिवस के अवसर पर पतंजलि योग पीठ में अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन भी किया गया हैं, जो पारंपरिक भारतीय चिकित्सा के आधुनिकीकरण से लेकर, कृषि क्रांति, आत्मनिर्भर भारत, Ayurveda: The Science of Healing जैसे विषयों पर केन्द्रित रहा है।

जब भी मैं पतंजलि आता हूँ तो, मुझे विश्वगुरू भारत, आत्मनिर्भर समृद्ध गौरव शाली और शक्तिशाली भारत की सार्थकता का अनुभव होता है।

हम फिर से विश्वगुरू की पहचान को प्राप्त करने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं, इसमें पतंजलि भी नेतृत्व की भूमिका में आगे बढ़ता हुआ दिखाई दे रहा है।

पतंजलि के विज़न में आत्मनिर्भर भारत, बौद्धिक सम्पदा, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसे विचार और भावनाएं निहित हैं। जिनका उदाहरण हमने यहां आत्मनिर्भर application के Live demonstration में देखा है।

ये सब कार्य, हमारे देश के लिए नयी दृष्टि देने वाले हैं।

पतंजलि जैविक अनुसंधान संस्थान के वैज्ञानिकों ने 'मृदा परीक्षण मशीन' तैयार की है, जो एक नया आविष्कार है।

आचार्य बालकृष्ण जी के योग और आयुर्वेद के क्षेत्र में किये गये कार्यों के लिए Dhanwantri of Modern Era याने कि आधुनिक युग के धन्वन्तरी कहना पूर्णतः सार्थक है।

उन्हे Father of Evidence & Based Ayurveda Revolution with a Multifaceted Research कहना भी पूर्णतः सार्थक है।

भारत में खाद्य सुरक्षा, सतत कृषि, जैविक खेती, आत्मनिर्भर भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए पतंजलि एक पथप्रदर्शक की भूमिका में है।

पतंजलि की दुनिया में कृषि पर केन्द्रित नयी सोच क्रान्तिकारी कदम है। पतंजलि का विज़न भारत में ग्रामीण आर्थिक विकास के लिए समाधान की राह दिखा सकता है।

आपको कैसा लगेगा जब 75 Books एक साथ Release हो रही हों, ऐसा लगता है कि ज्ञान की गंगा

प्रवाहित हो रही हो। उत्तराखंड की धरती से जिस प्रकार गंगा, यमुना, जैसी नदियां प्रवाहित होती हैं, पतंजलि भी ज्ञान के प्रवाह का नया स्रोत बन रहा है। यह अपने आप में भारतीय ज्ञान के विस्तार के लिए बड़ा कदम है।

51 वॉल्यूम में वर्ल्ड हर्बल encyclopedia का निर्माण अभूतपूर्व अनुसंधान है। इस huge project के पीछे श्रम, शक्ति, संसाधन और सम्पदा का बहुत बड़ा निवेश हुआ है। चिकित्सा, आयुर्वेद, जड़ी बूटी, साइंस ऑफ़ इंडियन हर्ब्स और योग विश्वकोश हमारी विश्वगुरू की भावना की अनुभूति को बढ़ाने वाले हैं।

वैदिक नामकरण के साथ हर्बल विश्वकोश की रचना कर पतंजलि नें हमारी ऋषि परंपरा के कार्यों को पूर्णता और नवीनता देते हुए असंभव को संभव कर दिखाया है।

हमें यह याद रखना चाहिए कि भारत की पहचान हमारी प्राचीन सम्पदाओं के कारण ही है, इन्हे भुला कर हम दुनिया में अपनी अलग पहचान नहीं बना सकते हैं। और इस दिशा में पतंजलि हमारे प्राचीन ज्ञान और अनुसंधान की भाषा संस्कृत को पूर्ण महत्व दे रहा है, ऐसे कार्य भारत की महिमा और गरिमा को बढ़ाने वाले हैं।

ये सब अनोखे कार्य योग ऋषि स्वामी राम देव जी और श्रद्धेय आचार्य बाल कृष्ण जी के तप और साधना से संभव हुए हैं।

मैं एक बार फिर से योग ऋषि स्वामी रामदेव जी को और आचार्य जी को उनके महान विज़न की पूर्णता के लिए हार्दिक शुभकामनाएं देता हूँ, और इस सफल आयोजन में सम्मिलित आप सभी महानुभावों को एक बार फिर से हार्दिक बधाई देता हूँ।

जय हिन्द!